

श्री श्री कृष्ण

॥५२॥

॥ श्री कृष्ण ॥

१७ नमः ४ स्वामी पल मन्त्र ४ ॥ अर्द्धरुगिकसंकासं विनयं ध्या
नवृषिर्न प्रलयमिदं सादृष्टं पार्श्वगीयनमन्त्र ४ ॥ यन्नायुर्वस
लीमाहादवसकः श्री पार्श्वगीत्यनददाश्वगधिं रममहादवधान
सा अर्द्धनिर्मलं रुतकिवउधिं द्रव्यनय ध्यानसवृषया द
विष्णो कथधिं रमयनमन्त्र नमस्तानया दाता पार्श्वगीसन

ददाश्व ४ ॥ ॥ श्री दधुवाच ॥ हाणी महादव समस्त धर्मया कथा
जननं धूना आनकनयानसकयूनरथ गेला कसः कूधर्मक
कर्म दवया ऊकया गन्धर्वया किन्नरया मनुकया नागया य
वृषया श्रीजनया धर्मग्रादिर्न धयनिस कूधर्मः प्रकृतन जन
मसंया कलया नसन उक्तया दगया ख कदनयसन इयमा

ल॥ ॥ श्रीरुगवानुवाच ॥ धन्य धन्य यावती कनयूतथाश्वः
ऊनविस्मानययकं समस्तलोकयानिमिरिनकन कनगंखा
मूमाल ऊनयुक्तयादगयाख एकचिरुयादयावधाननदडा
॥ माद्युक्त वरुर्दगी कूकू पागकानसस्त्रानयादाडा हिंसाव
मुनगियाव एकरुक्तनगद गुविगीलयादाडा यंवलियगरु

यादाडा विधानरथं वगानं रुयाय सगिदूर्ध्वमागी कूकू पागका
नस्त्रानयादाद विधानरथं धर्मचवनयुक्तीजनन ॥ मलुलदय
क ऊनकयुक्ताधूयदीयगी वूनरुलनेवयदयकं युजायाय
अर्धयाय ॥ कू ऊयुजायाय ॥ पगिमासंगव मलुलसंगव ॥ ए
क्षियागा १०८ स्त्रान ॥ एक्षियागा १०८ ससा ॥ धूयदीयनेवयव

नृन धर्मधामदयकं. कृञ्जयूजायाय. यदक्षित्तायाय. वाक्कल
रुनिष्ठावतय. दक्षित्ताविय. यथाथ. कृञ्जयूजाया. ताता. धर्म
याखेठन॥ **काञ्जगदीश्वरी**॥ काञ्जननमाष्टक्य. साखन. काम
नगरुयाकाव॥ अक्षित्ताया १०८ माधक्य. येनमग्धनीरु. मा
धनेव्यदयाय. येनधर्मरानयंयान. कर्मनं मननं वचननं

गिविर्द्धिनं स्वस्त्वालि. यितनयं विधानार्थं. यद्विद्याठन. धर्मया
य. यन्दन. अकृत. इन्द्रायुय. दयकं. येनमग्धनीय. वचनयंयान॥
ध्यान॥ सुवर्णवर्णदीकाराविनशाकमलानना. सिंहासनस
मासीमा. सर्वानकावस्तुधिताननीलात्यलरुयावाम. दक्षि
धवनदाशुशानखज्जवर्मधनावाङ्ग. वामदक्षित्ताकमा

ग। वहुर्हर्तुं तु मातयः दृश्य इष्टकगर्त न एव आत्मा मरु
दवी स्वस्मानी जगदीश्वरी ॥ ध्यातुं न भवव्यावृत्तं न भू
र्ध्याय ॥ आयः श्रुत्याय धूनकावृत्तं दक्षिण धूनकावृत्तं
धूनविगर्तनयाय ॥ नदी सर्वरूपं कायशरीरं ॥ धूनमारु
था पादयुक्तानवयावृत्तं मायुक्तवृत्तं नित्यावृत्तं धूनस्व

युक्तायाय दधिभूक्तं सैयुक्तायावृत्तं माध्यायाय धूनवृत्तं
वृत्ताय ॥ धूनवृत्तमदगसाखावकायमदगसा नदीयवृत्तं
कायशरीरं ॥ धूमरुक्तवृत्तं मारुधृष्टि १०० यावत्तं धूनकावृत्तं
नापी सजागन्तायाय ॥ धूमरुक्तवृत्तं धूमरुक्तवृत्तं धूमरुक्तवृत्तं
नयाय धूमरुक्तवृत्तं धूमरुक्तवृत्तं धूमरुक्तवृत्तं धूमरुक्तवृत्तं

यमरू धर्म अर्थ काम मा क्रोध ग संया फ रुयू ॥ वर्ष वर्ष सख
स्त्री नी वन त ल न सा ध ग रु ल सा दान रु १००० नि सा न नि य का
द दान वि या रु ल क न्या दान वि या रु ल अ न दान वि या रु ल
ग न का नि रु १००००० व रु दान वि या रु ल ना र्थ ध नी रु रु
या दा या रु ल अ ध म ध य रु या दा रु ल ध ग दान या दा या रु

ल द का उ उ नि रु ल ध ध र्म न सं या फ रु न ख ॥ अ य या र्ध गी
ध ध र्म स म रु ध र्म या रु रु रु या ध र्म ध ॥ ध ग रु ल म इ ध र्म
सं खामू माल नि श्र य वि धान र्थ ध ध र्म व न न धू क या सं या फ
रु न ख ॥ ॥ **द द वा द** ॥ रु गी म रु द व रु व या न स रु या न
ध र्म वि धान रु न धू ना रु ना रु न रु रु रु रु द व नी रु रु न य

सन्नशसन, धधर्मसूतानप्रकासयाग, सूतानधर्मदन, ध
जिनमसिया, कलधानसप्रसादन, धयामहिमाश्वकदन
प्रसन्नशसन॥ ॥ श्रीमहादेवउवाच ॥ शयार्वाति, सावधान
यादाडाढडा, धउयवानकमुफ, यादगयाश्वकूर्तमइ, धश्वम
नूकनाकयागहितायादन, कनयूनथा, जनकेनढडा, धान,

रगमयूलिधायानगलस, निवरुदधायानामवाकल, मरुताग
यी, वदवदीगजनकसासुसद, यजनजाजनसंध्यागर्थनआदि
न, धधर्मनगशद, धधवाकलस, अगनान, गंगावरुनयद
व॥ धधवाकलयाकी, सनिधायानामवाकलीयनियदा, धयापू
र्वजनसयारुलन, संगानमइ॥ ककूयादिनस, श्री, पूनूख, धान

दास्ये स्वयाता वाक्कलसकयूनथा ॥ ॥ वाक्कली उवाच ॥ रास्वा
मि पूर्वजन्मस अनकूयाययादान कायकावकूनमइ थथी
दयायी गनीनऊ म्वा दया रुथा शना ॥ वक्कली संधाया खडका
व वाक्कलसंधाधनया ॥ ॥ वाक्कली उवाच ॥ राखक्कलिकूनऊ
मथिदविनायायममाल पूर्वजन्मस कजिनविष्ठासनगया

लिमवियांमइ खानवदयागमवियांमइ दनगनमयूनीमइ
गकूयादीमइ भवयाककायाताथमकूवयुंमवियांमइ थल
गाअधर्मयादामदली सगानमदगकाता धगनसगानयावि
कारथगादगमाल थरथवाधयादा ॥ थरथशयानलि धवाक्कलया
यूधयायरावन साकूकथवदवननयाता धसानमनवाकया

क. अथ नमः सगन्धवासा शयाऽ। निद्रुपयि दसानदास्यं अथ
नद्रुपवर्गीकन्या सर्वलक्ष्मीसंयुक्ता शवरवदाऽ। वाक्कटा
संधिवर्धयंदाऽ। धकन्या लक्ष्मीवर्धन्य धकन्या दस्यनिस्य धन
धान्यसंयुक्ता शव. अनकवाद्यादि. नृपंगमी स्वकाशान् वाक्कटा
नवदद्या घययावका. धवकूलयामर्जापन. क्रियाकर्मयादा॥

उक्तायादा॥ धकन्यादिर्नदिन. धकनायावन्तुमा. धववद्वमान
शव. अन्यगपून्धयाक. पून्धयायरावन. स्वर्गसं. नृपयलीतिश
व. धवननि. नृपयादाऽ। कलासस. श्रीमहादेवसकडावाव. क
नानपून्धयादाव. धमयादाव. नृपयादा. धम. नृपयसखठ
दाऽ। महादेवसर्न. आदगविन. राक्षि. नृपयसमूमास. धया

उद्यायजनयाय, ऊनथवनाशसस्रखननाश्याव, ००००थवनाश
संददा॥ शाश्वत्यावर्गी, थनऊनयथिमल्लससुमलयाव, कया
लिङ्गागिरुखयीठ, दवूदवूथयाव, गिवरुदुवाकलयावावस
रिकाशानवया, थयाभूकनस, वूथकशयाठाववाठासआगि
नथाया, दमनूयासदमगाव, थनमामवमूलीस्यंतायाव, आगि

यागरिकाविवधकं रुकावधकन्या नमामयावचनदृष्टावधिका
विचनदया, धनजागिनरीकामकास्य, गमयायाडा, आयविया,
रुकावधकन्या, रुनरिकावधकन्या, अनमकावा, ययददववाकवयूव
रुयायधक४, आयविस्यगाथा, आयदृष्टाडा, कन्यामहाकन्यानखा
व, मामनवाधयाकावधगया, ॥ धयाभूकवस, कैलासयवर्चगस, गखा

स. कन्द. वक्रा माधव. सनसुगी. लक्ष्मी. यक्ष. गंधर्व. दशदिगुयाना
दिनदवयाकन्या समस्तस्य. स्वस्तीनीवता वक्रयादा ॥ धर्मस्वर्ग
लाकनशकाहुसव. धर्मया कूजमूनी. जगर्मा माया धर्म ॥ यथिस
मसव. धर्मदा विद्यान ॥ उयदश विवधक. ०. शिवस्य आश
विया आशना धायालिखि ॥ ॥ मूनी वृदादा ॥ कनधा वस आशान.

जनयथिमलस. दानिदुर्गायाग धर्मकथा जनकनशान. लि
खिस्य मननविंगवयाडा. यनउय दश विनडाया ॥ धयाजूकनस.
शयार्धमी. एमयसउत्यगिशव. एममारुहिनी वाक्कली धक. नाम
कर्तुया कतया. योवनी कयाव विवादा संशानजीयक. गिवरुद
वाक्कलीस्य. यूर्धसहि ककन एमयविया रुलन. देवस्य कस्य रुया.

वाक्कलवन् धवाक्कलज्जनिदृष्टं जलधावि नवगनिव इगाहाक
इष्टं न गनीन कंयनयू धूणी नानलाव स्वाविहान यश्चिमयावा
क्कनधक कन्यादानरानवया थनद्ववधायवियारुलनं धवा
क्कलउ विवाहायाहा कन्यादानविया ॥ गिवरुष्टवाक्कलसीपति
यानया कलंशना ॥ रुखनसधवाक्कलखं रुध्मआननयिउन

यंरुखरुव मासवक्कलीयूनुववनायसनिवंरुशना ॥ धनलि
रगमावक्कलीस मासंवर्षसिगा इ४खनयीउनयंवाक संकंकती
याक गासनशयाव जोरुनयासदार्नमसव इ४खनयीउनयं
साकनवाकशना ॥ धननसरगमावाक्कलीस गार्कधानरुव धूना
धवावाख्याख आदिनथवकुलया मर्जातशका कर्मयाक इष्ट

वाक्कलनयनि पानया दगवशना ॥ १४५ ॥ सवाक्कलस्य वक्कलीस्य वा
धनया वगन, कनमावाजागश वकास्ययाग, अन्नमइ, जिनेयन द
सग, जिकारिक्काहानवन, लक्किन द्वा १४५ नकउायधक, वाधया
दाउ, दग्गन नव दशना ॥ यवदगस, गीतजावन पीठ लय, अ
नव्यवन सधवाक्कल मयूश वशना ॥ धयानलि, १४५ मावाक्कली,

त्वं निर्वंजनशयाउ, गमवागीनाकन, पानियानया दगव ॥ वक्क
लीस, मासपूर्वशयाव, कायत्वंजागश वशना ॥ जागशवया, वय
सिधनकास्य, कर्मखसिजागठि, नामकर्षुया दान नवराजाध
क, नामकर्षुया दानशना ॥ गमवागीनाकन धागनय गव ॥ वाक्क
नवाया, कृष्णकर्षु, वगवध, विवाहादिनयाक ॥ मामन, भवया, क

यासरुटावयगियात्रयादुगव॥ धवाकृष्णजोरनशयाडा, मा
मथमस्त्री, स्वकृष्णइ४खसिख्ययादु॥ धकनस नवनाडावाकृष्णस्य
मामयाकखदडा, लामाताकृष्णसगरथयानिदुशना, इ४खशन
जववृणावन, कृष्णधखसखनलान, धकधायान, मामखाया
डा, लोपूण, कृष्णववृयाखदडाधान, कृष्णसखादवनस, कृष्ण

नशयूधक, अनमदयाव, यनधगसरिदाहानवनधक, लकि
नलिहावनयधक, विधाक, आवगिकमगिया, म्वाकंससियालि
लामउ॥ धममामयाववनदडाडा, धमाला, नवनाडावाकृष्ण
स्य, धमशवकृष्णजनसाकृष्णदडावन, यिगयाउयदगडान, कृ
नजिगआहाविहन॥ ॥ नवनाडावाव॥ पूणस्ययवमाधर्म, यि

एउङ्गावसमानहि, यिणउङ्गावनकूर्चनि, कमसत्संखमिच्छुग, ॥
सयान्तिनवकंधान, यावद्वन्दावदुर्दशी ॥ धरणाकनमामवाधया
दाव, मामयाअनूआयाकायाउ, थवकी, ससूनि सवाधनयाव
छायाव, थमदग्गकनउंठशवा ॥ अनकवन, खउ, यव्वग, यमजम
लयंशन, हास्यं, वक्यानागठठान, ठनहास्यं, वव्वमएशवखेठठा

उा, हाहाकालनखायाव, महाकनूनान, हायिताहायिगा, हाजनक
हाजनकधकंखायाउ, गंगतिनउंठाव, अर्द्धयाकशवा ॥ धयाअन
नस, रगमावद्धूणीसइ४खश्याव, कायदग्गकनउाना, रुविथवक्क
उाना, जियाकागयकं, नयान, वसगमदयाउ, हाककश्याउ, द
गवाहिनिस्, खूसिणिस्, अलीठसिन, लकन, कुरगयाउ, तवधद

वनयादवाह, भवयाकयासरुहन्, इष्टवसिसंयाहशना ॥ धया
नसि, आशगाधयाधमधिन, धर्मउयदगविनदव, धयमयासा
ऊवात्रयनिसकहृदा, धदगगसूदविद, सूधनधन्यधकंदहृदाव,
साऊवात्रमूवागासवयनहृदाव, अधित्वं वक्रुगया, दानस, वक्रुणीर
धकंसनगाव, स्वस्मानियाधर्मउयदगविनउायाधकं, धर्मउयद

गर्खकदा, वक्रुणीस्यंनसगास्यं आनन्दशयाव, अधित्वं नमस्का
नयादाव, कइवाहयदाउा, कायतिआसनतयाव, अतिथिसस्का
नयायविगनयाव, कसकूर्नमइ, आवजिनकूयाय, अथर्थिहइश्वि
धकं, काककायजादाउा, अनद्यातउाह, धयाअननस, अधिस्यन, ध
नकायनियागनसगाथाव, अधिअंणयानश्वशनी ॥ अनजादाव

नव, धनदी सजान नहुलकास्यं श्रयायिनी जावन न कदाशावद, सि
नथकायावधव रुसगडा, कयायिनी नथिय मयवधकं, कृणरा
दिनाववद, धनरुस द्वादशवर्ष १२ दिने नाणी जावन नपी उलयवा
ठ श्रयायिणी ॥ श्रयाभूतवस, नवनाऊवाकलस्यं, घूद्यदलीदिद
यकाडा, वाकलदिभूतिथिसकावयाययाग, समसीता ननातका

उ। वहुर्दिगयी वाक्कलानिमलुतयादा २थस कयिलभाया वाक्कल
स्यं नसयायिनी खं ठाव् ॥ थवाक्कलस्यं धाया ॥ रुरुक्कलान् वानाना
हाना ॥ सिनाधगसक्कलान् धकं कोरुक्कवाया वधाया ॥ थथधावता
याव ॥ धयायिनी नधाया ॥ अयायिनी जागवक्कनि ॥ स्वस्का नीवगनि
दायादाया रुलन अयायिनी शन ॥ १॥ वल सऊमा कययिदधक

भाया ॥ १थस वाक्कलान् धर्मउयदगविया ॥ स्वस्का नीधर्मवनलयि
सायधकं उयदगवियाव ॥ लखन यखन माधिकूव विधानर्थ
अज्ञापूर्वकन धर्मवननयाउ ॥ धधर्मया पशावन ॥ लखन इइश
व्यं खन कूठामाधशव ॥ स्वस्का नीधावनयामाणन समसंयाय
माक ॥ कवयार्थं नूयसूदनशव ॥ ॥ धधर्मया पशावन मूकिश

न. पायसखमाणमदयकं॥ धसायाव विस्मययाया न कयी न
वाक्कलस्य नाजाया आग्यान नूनिथि नटा, २थ सधवाक्कलस्य य नू
नया वृत्ता न समस्त नाजा कटाव वाक्कलस ववन नटाडा, पून रु
लिया क्काया डा काय कन क्काया, ताना वाय, याजन वदथा खययात
क, दान सनिर्म कन या दाव, नगन स इतरु याव, शानि कयू सि

क महास्रवया दा, अली काल, यी जन माल, घगा का, धजा पृथु कन
स, नाना वाय, वन वीं न मृदंग मदि दयकं उल्सा हाया ठन, ममल
अमगन तना त क, कण गंध, मूति सयू य गि धा डाडा, नाज गुरु दा
न स निर्म कन या दाव, नाज गुरु इतरु याव, पून नाजा व विवा हा
या दा, वाक्कलस्य आगी वी द वि या, माम काय रु लि स्वर्क मूरु न

नाश्रया कामहात्ममश्वयनयसमाकषायिकश्वशना ॥ ना
 यामाहादवउवाच ॥ श्रुत्वा त्वं नीधर्मयायरावनध्वग
 संपरिहृलनाक उरुमधर्मध्वमसमसुधर्मयायसु ॥ ध्वग
 हलदतामश्वकं संखामनाल निधयनध्वग हलसंयाकश्वश्व ॥
 ध्वग हलकक्षया ददक्षया समसुयायमाक श्रुत्वा त्वं नीधर्मयायरावनध्वग

[illegible]

श्रीनिथाग आदित्यवान् ॥ धकृद्देवहूगमधननथवननिमि
 लिनवासाडा संसृष्ट्याठभूनकादिनशना ॥ अरुमशुसर्वदा ॥

१७२॥ सौम्य गे ४२ यो ख व द्वि ३ अ ल क अ स न मो न अ स व द न डं क क अ म ख ल ग न ॥ धी प्र न द न ती न द त वि आ प्र यं का रू म म ख ल
नो ॥ उ यो व नो २ उ य क म न गि थ क गी ५ न ज यो र ग न य वि म न अ क सि द यो २ त क्री ध न यो उ मा हा सि द यो ४ पु ति ध नो व न यो ग पु को वि की
रु द न गी ॥ ६ ॥ सौ द स य ग म नि सि द यो ४ न म ध न रु ति क पु ॥ त न य ति य २ अ क अ क न म द न त न य ति सि द ॥ म न म ली ड सि री टी का १० ॥ ६ ॥
१७३॥ सौम्य गे ४२ यो ख व द्वि ३ उ यो न म ख न मो न म ख व ल यो का रू अ म ख ल ग न म ख रू क लो द न क स य मे ली ड सि री टी का स ॥ ६ ॥ ६ ॥
का १० ॥ व र्ध य ति क न ग म कि री का स ॥ ६ ॥ ६ ॥ गि न ३ ॥ ॥ धी प्र यं का रू म न लो क न नि यू का रू मा हा सि द यो ४ पु ति व का य अ ग लो द न ॥ ६ ॥ ६ ॥

१०५॥ सर्वस्वतः ४२ मासपुत्राय पुनस्तत्तद्वत् ४३मा वधुक्याय नमः १०६॥ सर्वस्वतः ४४ पोखरशुक्रमा १५ नमः नि काय ॥ नभीवाय नमः १०७॥

[illegible][illegible]

आदिर्नयस्सुकेवतादिस्तुमयास्तिकग्राह्यउक्तेन प्रमात्रवन्निभासुयाक ८ काशे शाकशकनेभासुग्राह्यवत्वात्

ॐ स्वस्त्वय नमः॥ यथमस्य स्वस्त्वानियममवलिधर्ककालाद्र
सकनसं कुं कानवायथायनायाय रंगगजलनस्नानयाचकयत
सिद्धनज्जमकास्नाननेविद्यरुल्लभलपकानकयुततांवल्लव
मादिसमस्तहितकदयकाडावतश्रालम्भयायवाखनज्ञाययक
चिद्वनदन॥ १ ॥ स्वर्गसुदृश्यजायतियाश्रनगश्चाचयतिद

डाधश्चाचयतिसमस्तद्वलाकयतिसकविद्यतयामहादव
याकश्चादिनविद्यतयाधवतसथदृश्यजायतियामनसश्र
वमधज्जयायधर्कचिकनयावमीयुतखसमधालयाकाडा
श्रनगहमलश्रनगकृदिवरुल्लश्रनगधलसाखलयेक्यात
मुलिमालउलिदयकाडाथनसकलश्चाचयतिसकलंजिलय

निं निवतन क्खलं यत्तु गच्छ कानन अयसला उम्भूत नागका
दि दसदिगमूनिना क समसुद्धवतां थथनिउरनया दाउ थ
नय क्खदिन क्खु नाना वसु जा दाउ सकल दवना कणनिं आ च
यनिं अनग वाक्क सयनिं य क्खया थ स विष्कार कलं थनमहा द
व सति द वि थ स निष्का सु य नू य रु कानि उरनमया रं य क्ख

आन क्खया दाव नाना वाया दि नाग गीत अनग जा थ वल स द
रुय जा य रिया आ च य नि द व कं या सकल न अनग सु व कुलं का
ल स रु र या दाउ नाना ल ल माला न रिया व समसु य दा थ द य का
उ रि द व स न रिया उ सा रा य मान या दाउ व व या य क्ख स चानं
थ व ल स नान द न थ जा या उ म न या दाव साल श ल दा स न स

कल दवला कयनि दवकं न्यायनि यरुस आरु खदाउ मरुदव
सतिद विथस कलनि अमुयू नूख खन मदयाउ अति आरु र्य
वायाउ नानदलं कलास यवत विष्ठादाउ मरुदव सतिद वि
याद वन आरुदय कलं नानदउ वावा॥ रासतिद विरुन था
लस ववूद रुष जायति थस थालस अथ मधय रुयात थय रु

ऊन खलनदा थन रुल थालस तगा रुयनी करु रुयनि समरु
अथ सनायनि नानाल कागादिन वमुदिन रुख नयाउ समरुद
वला कनं विकाया थका न मरुजा वायार्त अजा गाऊन रुमलय
खल रुलदा सन रुल थाल रुका मखदा अतिकी रुक वायाऊ था
वावया धकं मयाउ नानदया ववन रुददाव सतिद विन अरु

नदसहिमनदयकाववव्यायक्याथयवकावमामववून
मलालयाकावमिखासखाविथयावगमदवचनयाकावथव
वव्याकवनेश्राकादयकलराववृशकलयालसनसकल
काचयनिंसकलकिलीयनिसकलकवलाकगन्धर्वयककिंत
लश्रयसनादिविफातकावधधिंगायक्याकविफालऊरुकाः

गाथकलयालसनमककाऊरुकाकलयालसकाचमखूला
कूनिमिहिनमककाभकंसतिदविनश्राकादयकलदकथजाय
तिनश्राकादयकल॥रायूरीकइखनायमनेवकनयूखम
हाकवथयकसवानकावसमरुसाहायाककालश्रुतिमूलहा
शयिवकानभालसाकनयूखमहाकवसमरुलतयिसाच

नलिरकाव अस्विहतिन वृथाव असवायकालानयिदाव कि
सियाक उलिन दयाव गलजातस सय्यनकाखायाव नकाहस
सविनकाकाव जंदलाहस दवलूथयाव वामहससि सुल
धलनयाव मुखमानानकाखायाव अथथसागयाव धननवा
सियाकाव शव अतिशूरा थथि अकनयूख महादव धनन

यह अस्वराशयिबधक क क म म वा का धक धनवव या व न न क का
व सतिद विन थडा स्वामियातन अ न ग य निका न न नि दयाका
व धववन न न म रु जा डी नू ग म उ न ल मा या व द विन या न ल
ल ग ल थ व ल स य ह थ अ स म हा उ त्या ग ह ल थ थि क उ त्या ग
शव धयाव ना न द ल क ला स म च र व का व महादव या क व न

श्रीकृष्णदयकलं रामदादवदृष्टप्रजायतिनृकुलपालयातनश्रुतगमा
माधननिकायादावधवचनदनेमरुयावतूगमउम्वयावसुहिदविन
धानगोलतलं धनयावतूकुलपालसकनयाधकं धायडाधननामद
नधायवचनददागमदादवश्रुतिकोयशयावधडासिलसवादजद
कयत्रतदूदावधियिविसवादावीलरुडत्वंजयलयावडालं धन

वीलरुडनमदादवनमस्तनयादावहाथश्रीकुलयाडाश्रीकृष्णविश
धकंमदादवयाकलमचलयागं ॥ धवचनडंदावमादादवन
श्रीकृष्णविलं विलरुद्रुडाडावकदप्रजायतियायकुक्ष
नयादावताथमालधकं धनमादादवयाश्रीकृष्णडंदावधव
लसविलरुद्रुडं जलगदुननयोसमिधायिनिगननीलिनका

वृत्तिलरुद्रं गमनयादावविद्यां तं थं वृत्तस यद्गु धायस थं वृ
वृत्तसमस्तं वृत्तलोक यद्गु गन्धं वृत्तिं वृत्तन जयस नो मृत्तिसमस्त
ग्रासयादावृत्तिं वृत्तं वृत्तं वृत्तं मृत्तुकोत्तुन न जादावृत्तिं
न जातिनि गनसमस्तं न नाना जलं का लं न नियावृत्तल
मालासंज्ञा कयादावृत्तिं न जादावृत्तिं न जादावृत्तिं

यातं लुलिष्टिने जद्गु स दलं थं वृत्तस दक प्रजापतियाभा
दनाकं थं दाजयद्गु स दलं थं न जद्गु विद्यं सयादावृत्तिं माहाद
वयाकलिसलकदावृत्तिं वृत्तप्रसादकायो वृत्तं न जादावृत्तिं
रुद्रसंज्ञा विद्यां थं नलि माहादव यद्गु धायस विद्यां वृत्तिं
वृत्तिं सयालम सतिद विरुद्रा वृत्तिं सलिल थं वृत्तुगलसन

